

अध्याय - 2 | सजीव जगत में विविधता

QUIZ
PART-05

1. जैव विविधता किसे कहते हैं?

- A. किसी क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव
B. केवल पानी
C. केवल मिट्टी
D. केवल एक प्रकार का पेड़ (A)

व्याख्या: किसी निश्चित क्षेत्र में पाए जाने वाले अलग-अलग पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव जैव विविधता कहलाते हैं।

2. जैव विविधता क्यों महत्वपूर्ण है?

- A. प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए
B. केवल पृथ्वी को रंगीन बनाने के लिए
C. कारखाने बढ़ाने के लिए
D. जंगल काटने के लिए (A)

व्याख्या: जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

3. पौधे हमें क्या देते हैं?

- A. ऑक्सीजन
B. प्लास्टिक
C. धुआँ
D. प्रदूषण (A)

व्याख्या: पौधे हमें ऑक्सीजन देते हैं और जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं।

4. जंतु किस कार्य में मनुष्य की सहायता करते हैं?

- A. कृषि में
B. केवल प्रदूषण में
C. जंगल काटने में
D. पानी सुखाने में (A)

व्याख्या: कई जंतु कृषि और जीवन की अन्य गतिविधियों में मनुष्य की मदद करते हैं।

5. जैव विविधता के संरक्षण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

- A. जंगलों की रक्षा करना
B. वनों की कटाई करना
C. प्रदूषण बढ़ाना
D. जीवों को नुकसान पहुँचाना (A)

व्याख्या: जैव विविधता बचाने के लिए जंगलों और आवासों की रक्षा करनी चाहिए।

6. संरक्षण का एक प्रमुख महत्व क्या है?

- A. पारिस्थितिक संतुलन बनाना
B. जीवों को समाप्त करना
C. केवल कारखाने लगाना
D. जंगलों को काटना (A)

व्याख्या: संरक्षण से प्रकृति और जीवों के बीच संतुलन बना रहता है।

7. 3R में क्या शामिल है?

- A. कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण
B. काटना, जलाना, फेंकना
C. शिकार, प्रदूषण, विनाश
D. केवल खरीदना (A)

व्याख्या: 3R का अर्थ है Reduce, Reuse और Recycle यानी कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण।

8. बाघ परियोजना किसके संरक्षण के लिए शुरू की गई थी?

- A. बंगाल टाइगर
B. चींटी
C. कबूतर
D. मेंढक (A)

व्याख्या: बंगाल टाइगर की घटती संख्या के संरक्षण के लिए 1973 में बाघ परियोजना शुरू की गई थी।

9. चीता पुनर्वास परियोजना कब प्रारंभ की गई?

- A. 2022
B. 1973
C. 1897
D. 1984 (A)

व्याख्या: चीता की संख्या को पुनः स्थापित करने के लिए 2022 में चीता पुनर्वास परियोजना शुरू की गई।

10. पवित्र उपवनों का संरक्षण कौन करता है?

- A. स्थानीय समुदाय
B. केवल कारखाने
C. केवल शिकारी
D. कोई नहीं (A)

व्याख्या: पवित्र उपवनों की रक्षा स्थानीय समुदाय द्वारा की जाती है और वहाँ जीव-जंतुओं या पेड़ों को हानि पहुँचाने की अनुमति नहीं होती।